दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२६४ | मुंबई,मंगलवार १० मार्च २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

अंबरनाथ MIDC में श्री गणेश केमिकल कंपनी में भीषण आग; एक के बाद एक कई धमाके

अंबरनाथः अंबरनाथ के आनंद नगर MIDC इलाके में स्थित श्री गणेश केमिकल्स कंपनी में शाम

करीब छह बजे भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद कंपनी में रखे रासायनिक ड्रमों में एक के बाद एक बड़े धमाके होने लगे, जिससे पूरे आनंद नगर MIDC क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। कंपनी में अचानक आग लगने के कुछ ही मिनटों में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। कंपनी में बड़ी मात्रा में रसायनों का भंडार होने के कारण कई धमाके हुए। इन धमाकों का असर लगभग दो किलोमीटर दूर तक महसूस किया गया। इतना ही नहीं, कंपनी के आसपास मौजूद अन्य कंपनियों तक भी आग फैलने से इलाके में हड़कंप मच गया। ड्रमों में विस्फोट होने के बाद रसायन MIDC की सड़कों पर फैल गया और वहां भी आग लग गई। आग की भयावह स्थिति को देखते हुए MIDC अग्निशमन केंद्र ने जिले की सभी महानगरपालिकाओं और औद्योगिक क्षेत्रों से आग पर काबू पाने के लिए मदद मांगी है।

आठवले राज्यसभा में जाने से वंचित वर्गों को ताकत मिलेगीः भवानजी

मुंबईः वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने केंद्रीय मंत्री और आरपीआई नेता रामदास आठवले को तीसरी बार राज्यसभा के लिए नामित किए जाने पर हर्ष प्रकट है तथा उन्हें बधाई दी है। एक बयान में भवानजी ने कहा कि आठवले जी एक कर्मठ नेता हैं और उनके मनोनयन से वंचित तबके को ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि श्री आठवले सभी वर्गों में लोकप्रिय हैं और सभी वर्गों का काम वे बड़ी तन्मयता से करते हैं। उन्होंने आठवले के मनोनयन के लिए पीएम मोदी और सीएम देवेंद्र फडणवीस के प्रति आभार प्रकट किया है।

तेल के डिपो में पहुंची जंग उत्पादन ठप्प, सप्लाई बंद

तेहरान से बहरीन तक तेल डिपो निशाने पर, कच्चे तेल के दाम उछले

सईद शेख

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब तेल के मोर्चे पर खतरनाक मोड़ लेता दिखाई दे रहा है। रविवार को इसराइल ने ईरान के करीब 30 तेल डिपो को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। इसके जवाब में सोमवार को ईरान ने बहरीन के सबसे बड़े तेल भंडारण केंद्र पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर दिया। हमलों के बाद तेहरान के पश्चिमी इलाके में स्थित तेल डिपो अब भी धधक रहे हैं और आसमान में काले धुएं के गुबार उठते देखे जा रहे हैं। युद्ध के आठवें दिन हालात और गंभीर हो गए हैं। तेल ठिकानों पर हमलों के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है और कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने हमले जारी रखे तो तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इसी बीच अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि वह ईरान के ऊर्जा ठिकानों को सीधे निशाना नहीं बनाएगा, हालांकि इसराइल के हमलों पर उसकी चुप्पी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह भी खबरें सामने आ रही हैं कि तेल बाजार में उथल-पुथल बढ़ने के बाद अमेरिका के भीतर भी इस रणनीति को लेकर असंतोष है। युद्ध का असर अब खाड़ी क्षेत्र के तेल उत्पादन पर भी पड़ने लगा है। बहरीन की ऊर्जा कंपनी ने सुरक्षा कारणों से निर्यात अस्थायी रूप से रोक दिया है। क़तर ने भी फोर्स मेजोर का हवाला देते हुए तेल निर्यात सीमित कर दिया है, जबकि कुवैत ने उत्पादन घटाने का फैसला

लिया है। इराक में हमलों के कारण तेल सप्लाई करीब 60 प्रतिशत तक कम होने की खबर है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी उत्पादन घटाने की आशंका जताई जा रही है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। फारस की खाड़ी के महत्वपूर्ण जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोस से तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप पड़ गई है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में घबराहट बढ़ गई है। इस संकट का असर भारत सहित दुनिया भर के बाजारों पर दिखाई देने लगा है। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार खुलते ही भारी गिरावट दर्ज की गई और कुछ ही मिनटों में निवेशकों के लगभग 12 लाख करोड़ रुपये डूब गए। पिछले एक सप्ताह में कुल मिलाकर करीब 30 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स 2300 अंक गिरकर 76,750 तक पहुंच गया जबकि निफ्टी 24 हजार के नीचे आ गया। ऊर्जा संकट की आशंका के बीच कई देशों ने आपात कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जापान ने अपने रणनीतिक तेल भंडार से सप्लाई शुरू करने की तैयारी के संकेत दिए हैं, वहीं 37 देशों के वित्त मंत्रियों की आपात बैठक बुलाई गई है। प्रस्ताव है कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए आपात भंडार से करोड़ों बैरल कच्चा तेल जारी किया जाए।

भारत में भी स्थिति को लेकर चिंता बढ़ रही है। राज्यसभा में विपक्ष ने सरकार से देश के ऊर्जा भंडार और खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। विदेश मंत्री ने भरोसा दिलाया कि भारत के पास पर्याप्त ऊर्जा भंडार है और सरकार आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रही है। हालांकि जमीनी स्तर पर कुछ जगहों से गैस और ईंधन आपूर्ति में बाधा की खबरें भी सामने आई हैं। उद्योग जगत का कहना है कि अगर युद्ध लंबा खिंचता है और तेल ठिकानों पर हमले जारी रहते हैं तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों के साथ-साथ महंगाई पर भी बड़ा असर पड़ सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि यह संघर्ष केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब वैश्विक ऊर्जा और आर्थिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि जल्द युद्धविराम नहीं हुआ तो इसके दूरगामी असर पूरी दुनिया को झेलने पड़ सकते है।

10 मिनट में निवेशकों का 12 लाख करोड़ का हुआ नुकासन

शेयर बाजार धडाम से गिरा

नई दिल्ली। वैश्विक राजनीति में मचे घमासान और ईरान-इजरायल युद्ध की तपिश ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार को बुरी तरह झुलसा दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार की शुरुआत किसी डरावने सपने जैसी रही। जैसे ही बाजार खुला, निवेशकों के चेहरे पर मायूसी छा गई। सेंसेक्स और निफ्टी में ऐसी सुनामी आई कि महज 10 मिनट के भीतर निवेशकों की 12 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति मिट्टी में मिल गई।

बाजार में ऐतिहासिक गिरावटः सेंसेक्स और निफ्टी हुए धड़ाम

आज सुबह सेंसेक्स करीब 1,862 अंकों की भारी गिरावट के साथ 77,056 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 582 अंकों की कमजोरी के साथ 23,868 पर खुला। देखते ही देखते बिकवाली का दबाव इतना बढ़ा कि सेंसेक्स करीब 2400 अंक (3%) टूटकर 76,424.55 के निचले स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी भी संभल नहीं पाया और 706 अंकों की भारी गिरावट के साथ 23,743.55 पर ट्रेड करता दिखा।

कच्चे तेल की कीमतों में 26% का जोरदार उछाल

बाजार में आई इस तबाही की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की सप्लाई चेन चरमरा गई है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 26.31% की ऐतिहासिक तेजी देखी गई और यह $117.08 प्रति बैरल तक जा पहुंचा। इराक और कुवैत जैसे बड़े तेल उत्पादकों द्वारा उत्पादन घटाने और होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता ने आग में घी डालने का काम किया है।

विदेशी निवेशकों (FII) की रिकॉर्ड बिकवाली

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगाता दिख रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने पिछले सप्ताह करीब ₹21,831 करोड़ की शुद्ध बिकवाली की थी, जिसका असर आज की ट्रेडिंग पर साफ दिखा। बिकवाली के इस दबाव ने बाजार के सेंटिमेंट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू को लेकर मोदी और ममता में खींचतान

ममता ने तस्वीर दिखाक़र पूछा, कौन किसका अपमान कर रहा

कोलकाता, पश्चिम बंगाल की सियासत में सम्मान और अपमान की एक नई जंग छिड़ गई है। मुद्दा है देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रोटोकॉल से जुड़ा हुआ है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तृणमूल सरकार पर राष्ट्रपति के घोर अपमान का आरोप लगाया है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुरानी तस्वीर दिखाकर प्रधानमंत्री मोदी पर ही पलटवार किया। सीएम ममता ने तस्वीर को सबूत बताकर दावा किया प्रधानमंत्री राष्ट्रपति पद का सम्मान करने के बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं। आइए इस तस्वीर को गौर से देख लें। देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति खड़ी हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी आराम से अपनी कुर्सी पर बैठे हैं। राष्ट्रपति के प्रति सम्मान के सभी दावे खोखले लगते हैं जब प्रत्यक्ष प्रमाण उनके पद के प्रति लापरवाही को दर्शाता है। वीडियो में तृणमूल के दो नेता राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी की 2024 की तस्वीर पकड़े दिख रहे हैं। यह तस्वीर 31 मार्च, 2024 को खींची गई थी, जब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने आडवाणी से मुलाकात की थी

और उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया था। बता दें राष्ट्रपति मुर्मू ने बागडोगरा हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री और किसी भी मंत्री के ना मिलने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। राष्ट्रपति मुर्मू एक अंतरराष्ट्रीय आदिवासी सम्मेलन में भाग लेने के लिए वहां पहुंची थी। मुर्मू ने सिलीगुड़ी के पास अपने कार्यक्रम के स्थान में बदलाव पर भी असंतोष जाहिर किया था।

ईरान के लोगों ने चुना मुजतबा खामेनेई को अपना सुप्रीम लीडर

अमेरिका-इजरायल से जंग में मारे गए ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के दूसरे बेटे अयातुल्लाह मुजतबा खामेनेई को उनके उत्तराधिकारी के रूप में चुना गया है. ईरान के सुप्रीम लीडर का चयन करने के लिए जिम्मेदार मौलवियों के निकाय ने रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात अपने निर्णय की घोषणा की. एक बयान में इस निकाय ने कहा कि मुजतबा खामेनेई को 'निर्णायक वोट' से इस पद के लिए चुना गया है. ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर ने कहा है कि नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई की नियुक्ति के बाद ईरान ने इजरायल की ओर अपनी पहली मिसाइलें दाग भी दी हैं.

चलिए आपको यहां बताते हैं कि मुजतबा खामेनेई की अबतक की जिंदगी कैसी रही है और उनको अब सुप्रीम लीडर के रूप में कितनी शक्तियां मिलेंगी.

कौन हैं मुजतबा खामेनेई?

1969 में मशहद में जन्मे मुजतबा, अली खामेनेई के दूसरे सबसे बड़े बेटे हैं. उनके परिवार में कुल मिलाकर पांच भाई-बहन हैं. उनका बचपन ऐसे दौर में बीता जब उनके पिता ईरान के आखिरी शाह मोहम्मद रजा पहलवी के विरोध में आवाज उठाने वाले प्रमुख धार्मिक नेताओं में शामिल हो चुके थे. 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद उनके परिवार की स्थिति पूरी तरह बदल गई और वे नए ईरानी शासन के प्रभावशाली दायरे में आ गए.

क्रांति के बाद उनका परिवार तेहरान चला गया. वहां मुजतबा ने अलवी हाई स्कूल में पढ़ाई की, जिसे अक्सर शासन से जुड़े प्रभावशाली लोगों को तैयार करने वाले संस्थान के रूप में देखा जाता है. स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कोम शहर में रूढ़िवादी धर्मगुरुओं के मार्गदर्शन में धार्मिक शिक्षा हासिल की. हालांकि उन्होंने कई वर्षों तक धार्मिक अध्ययन किया, फिर भी वे अब तक ग्रैंड अयातुल्लाह के पद तक नहीं पहुंचे थे.

ईरान के संविधान के अनुसार देश के सुप्रीम लीडर के पास उच्च धार्मिक दर्जा होना जरूरी माना जाता है. इसी कारण मुजतबा की धार्मिक स्थिति को लेकर लंबे समय से वरिष्ठ धर्मगुरुओं के बीच चर्चा और बहस होती रही है. ईरान-इराक युद्ध के समय उन्होंने हबीब बटालियन में सेवा दी थी. इसी दौरान उनकी पहचान ऐसे लोगों से हुई जो आगे चलकर ईरान की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों में महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचे.

मुजतबा का सुप्रीम लीडर चुना जाना खास क्यों?

मोजतबा खामेनेई को मिला यह प्रमोशन 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद पहली बार है जब ईरान का सर्वोच्च नेतृत्व पिता से पुत्र के पास गया है. पिता के बाद बेटा सुप्रीम लीडर बना है और यह इस्लामी गणराज्य ईरान की उस मूल सोच के विपरीत है जिसमें शाह के शासन के बाद वंशानुगत शासन को स्वीकार नहीं किया गया था. इससे ईरान के अंदर बहस शुरू होने की संभावना है.

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

दैनिक फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

मुंबई, मंगलवार १० मार्च २०२६

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

राजनीतिक घृणा की अति और देश की प्रतिष्ठा

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को एक स्वस्थ परंपरा माना जाता है। सत्ता में बैठी सरकार, उसके निर्णयों और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार भी है और लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण भी। लेकिन जब आलोचना की सीमाएँ टूटकर व्यक्तिगत कटाक्ष, उपहास और अपमान तक पहुँच जाती हैं, तब यह केवल राजनीतिक असहमति नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसी मानसिकता का रूप ले लेती है जो लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है।

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में वैचारिक मतभेदों की जगह कटुता और घृणा ने तेजी से स्थान बना लिया है। किसी भी घटना, उपलब्धि या राष्ट्रीय आयोजन को देखने से पहले उसे राजनीतिक चश्मे से परखने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई बार देश से जुड़ी उपलब्धियों या आयोजनों को भी कुछ लोग केवल इसलिए तिरस्कार की दृष्टि से देखने लगते हैं क्योंकि उनका संबंध उस नेतृत्व या सरकार से जोड़ दिया जाता है जिससे वे वैचारिक रूप से असहमत होते हैं। खेल के मैदान को सामान्यतः राजनीति से अलग माना जाता है। खेल में प्रतिस्पर्धा होती है, हार-जीत होती है, लेकिन अंततः खेल भावना ही सर्वोपरि रहती है। किंतु जब खेल के मंच को भी राजनीतिक कटाक्ष और व्यक्तिगत टिप्पणियों का माध्यम बना दिया जाए, तो यह खेल की गरिमा और राष्ट्रीय भावना दोनों को आहत करता है। क्रिकेट जैसे खेल, जो भारत में करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है, उसे भी जब राजनीतिक तंज का विषय बना दिया जाता है तो यह प्रवृत्ति चिंताजनक प्रतीत होती है। विडंबना यह है कि जिस स्टेडियम के नाम को लेकर कुछ लोगों ने व्यंग्य और कटाक्ष का सहारा लिया, उसी मैदान पर भारत ने विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। यह घटना केवल खेल की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से भी बहुत कुछ कहती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षणिक राजनीतिक टिप्पणियाँ और नकारात्मक बयानबाजी अंततः वास्तविक उपलब्धियों के सामने टिक नहीं पातीं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह स्वाभाविक है कि सभी लोग एक ही राजनीतिक विचारधारा से सहमत नहीं होंगे। कोई भी नेता या सरकार आलोचना से परे नहीं हो सकती। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों, तर्कों और मर्यादा के आधार पर हो। जब आलोचना का स्वरूप गिरकर केवल व्यंग्य, अपमान और उपहास तक सीमित हो जाता है.

मीरा-भायंदर में १४ मार्च को 'छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर'

नागरिकों को एक ही स्थान पर मिलेंगी कई सेवाएं

मीरा-भायंदरः आम नागरिकों और किसानों से जुड़े राजस्व विभाग के लंबित मामलों के समाधान के लिए महाराष्ट्र सरकार के राजस्व एवं वन विभाग के निर्देशानुसार 'छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर अभियान - चरण १' के तहत मीरा-भायंदर में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

अपर तहसीलदार कार्यालय मीरा-भायंदर की ओर से यह एक दिवसीय शिविर १४ मार्च २०२६ को सुबह १०:३० बजे आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन डॉ. अप्पासाहेब धर्माधिकारी सभागृह, सेवन स्क्वेयर स्कूल के पास, दीपक हॉस्पिटल रोड, मीरा रोड (पूर्व) में किया जाएगा।

शिविर के माध्यम से नागरिकों को राजस्व विभाग से संबंधित कई महत्वपूर्ण सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें लंबित फेरफार मामलों का निपटारा, गांव नमूना ७/१२ में दर्ज त्रुटियों का सुधार और सातबारा रिकॉर्ड को अद्यतन करना, लोकसेवा हक्क अधिनियम के तहत सेवाओं की त्वरित उपलब्धता तथा अकृषक कर से संबंधित सुधारों की जानकारी प्रदान करना शामिल है। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण और अकृषक अनुमति से जुड़े मामलों में आवश्यक दस्तावेजों को अद्यतन करने की प्रक्रिया भी शिविर में पूरी की जाएगी। वहीं विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर आयोजित शिविरों के माध्यम से छात्रों को शैक्षणिक प्रमाणपत्र भी वितरित किए जाएंगे।

इस शिविर में राजस्व विभाग के साथ-साथ अन्य कई विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इनमें उपनिबंधक सहकारी संस्था ठाणे, उपअधीक्षक भूमि अभिलेख ठाणे, शिधावाटप अधिकारी भायंदर, समाज विकास अधिकारी मीरा-भायंदर महानगरपालिका, आधार नोंदणी अधिकारी तथा मीरा-भायंदर महानगरपालिका का वैद्यकीय विभाग शामिल है।

अपर तहसीलदार निलेश गौड ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

निलेश गौड ने कहा, 'महाराष्ट्र शासन के निर्देशानुसार यह शिविर नागरिकों और किसानों के राजस्व संबंधी लंबित प्रश्नों का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराकर लोगों को राहत देना हमारा प्रयास है। नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।'

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल की खबर का असर

बीएमसी की सख्त कार्रवाई

वैशाली नगर, अब्दुल कलाम आजाद गार्डन के प्रवेश द्वार पर अवैध झोपड़ियों का कब्जा

आस-पास के क्षेत्र में फैली गंदगी से रहिवासियों को हो सकता है भयंकर बिमारी का खतरा

संवाददाता शोएब म्यानुंर मुंबई

ओशिवरा जोगेश्वरी अजीत ग्लास विस्तार के रहिवासीओं को मिला न्याय

संवाददाता शोएब म्यानुंर मुंबई

दो दिन पहले ही फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल की खब़र में लिखा था की ओशिवरा अजीत ग्लास मौलाना अबुल कलाम आजाद गार्डन के झुग्गी झोपड़ीओं का अवैध कब्जा है और आसपास में गंदगी ज्यादा फैलती है। जिसके चलर्ते बीएमसी वार्ड नंबर ६२ के जिशान चंगेज़ मुल्तानी, ने और बीएमसी के वेस्ट फौरन हरकत में आए और आज सुबह से ही गार्डन के आसपास सभी झोपड़ीओं पर बुलडोजर चला कर झोपड़िओं को हटाया गया है। अब देखना यह है कि क्या ये झोपड़ीयां महज चार से छे दिन के लिए हटी हैं यां हमेशा के लिए। क्यूंकि अक्सर बीएमसी की कार्रवाई के बाद दुसरे तीसरे दिन वापस झोपड़ी वाले अपनी झोपड़ी बांध देते हैं यां फैरी वाले अपनी पक्की दुकाने बनवा लेते हैं? जोगेश्वरी की जनता को ये न्याय कितने दिनों के लिए मिला है ये देखना तय है।

मीरा-भायंदर में चैत्र नवरात्रि का भव्य शुभारंभः प्रताप सरनाईक फाउंडेशन करेगा नौ दिवसीय महोत्सव का आयोजन

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः शहर की सांस्कृतिक परंपरा और धार्मिक आस्था को सशक्त करने के उद्देश्य से इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। प्रताप सरनाईक फाउंडेशन की ओर से बेवर्ली पार्क स्थित नामदार गोखले मैदान में नौ दिवसीय नवरात्रोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

महोत्सव के लिए मंडप निर्माण कार्य का शुभारंभ सोमवार को विधि-विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर पूर्वेश प्रताप सरनाईक के हाथों नारियल फोड़कर देवी के पाट तथा स्थल की पूजा की गई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि महोत्सव १९ मार्च से २८ मार्च २०२६ तक आयोजित किया जाएगा। हर वर्ष नई संकल्पना के साथ आयोजन करने वाले फाउंडेशन ने इस बार दक्षिण भारतीय मंदिर स्थापत्य शैली पर आधारित भव्य सजावट का निर्णय लिया है। दाक्षिणात्य मंदिरों की तर्ज पर तैयार किया जाने वाला यह आकर्षक देखावा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। हिंदू परंपरा के अनुसार चैत्र प्रतिपदा के दिन देवी के प्राकट्य और सृष्टि की रचना की मान्यता है। इसी पावन अवसर को ध्यान में रखते हुए पिछले चार वर्षों से यह महोत्सव भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है, जबकि इस वर्ष इसका पाँचवां संस्करण आयोजित होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए पूर्वेश प्रताप सरनाईक ने कहा कि शहर के विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण भी उतना ही आवश्यक है। समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर शहर में सकारात्मक और मंगलमय वातावरण बनाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने मीरा-भायंदर के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार के साथ इस भक्तिमय आयोजन में शामिल होकर देवी के जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लें। महोत्सव के दौरान १९ से २८ मार्च तक नामदार गोखले मैदान, बेवर्ली पार्क, मीरा रोड में अखंड सहस्त्र नवचंडी यज्ञ, पूजन, भजन तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन शहर के श्रद्धालुओं के लिए भक्ति और उत्साह का केंद्र बनने की उम्मीद है।

'मैंने कभी सस्ते पीआर स्टंट नहीं किए'

हाल ही में एक्ट्रेस यामी गौतम और कृति सेनन के बीच कथित कोल्ड वॉर की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। विवाद की शुरुआत यामी के इंस्टा रील को लाइक करने से हुई, जिसमें कृति को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने पर क्रिटिसाइज किया गया था। जैसे ही यामी का लाइक आया, फैंस और मीडिया में चर्चा फैल गई। इस मामले पर यामी ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि ये लाइक गलती से हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने अपनी जिंदगी में कभी सस्ते पीआर स्टंट का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर ध्यान दिया है। क्लिकबेट की दुनिया में सोशल मीडिया वाले इसे गॉसिप बना देते हैं, लेकिन उम्मीद है वो मेरी अच्छी इमेज का सम्मान करेंगे। दरअसल, अवॉर्ड शो में कृति को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया था। कुछ फैंस ने यामी को हक मूवी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने योग्य बताया, जिससे दोनों के फैंस के बीच बहस शुरू हो गई।

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है। उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है। एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं। भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले। जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ। 8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं। वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं। अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है। वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता। कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए। अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं। इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

'जिनकी जिंदगी परिवार की गुलामी में गई, वे संप्रभुता क्या समझेंगे' – फडणवीस का खरगे पर पलटवार

मोदी को ट्रंप का 'गुलाम' बताने पर सीएम का तीखा जवाब

मुंबई। ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच देश की विदेश नीति को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का 'गुलाम' बताए जाने वाले बयान पर देवेंद्र फडणवीस ने तीखा पलटवार किया है। पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों का पूरा राजनीतिक जीवन एक ही परिवार की सेवा और गुलामी में बीता है, उन्हें यह समझ ही नहीं हो सकती कि किसी देश को स्वाभिमान के साथ कैसे चलाया जाता है और उसकी संप्रभुता कैसे सुरक्षित रखी जाती है। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं, वह देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अगर समय रहते ऊर्जा आपूर्ति को लेकर ठोस रणनीति नहीं बनाई जाती, तो मौजूदा वैश्विक हालात में भारत के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। फडणवीस ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद अपनी स्वतंत्र नीति अपनाई है। टैरिफ वॉर के दौरान भी भारत किसी दबाव के आगे नहीं झुका और मजबूती से अपने हितों की रक्षा की। उन्होंने कहा कि भारत ने अलग-अलग देशों के साथ संतुलित व्यापार समझौते किए और अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखा, जिसके चलते टैरिफ वॉर शुरू करने वाले देशों को भी अपने रुख पर पुनर्विचार करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा है और यह स्पष्ट हो गया है कि देश की नीतियां किसी के दबाव में नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर तय की जाती हैं। फडणवीस ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग दशकों तक एक परिवार की राजनीति में उलझे रहे, वे आज देश की स्वतंत्र विदेश नीति पर सवाल उठा रहे हैं, जो अपने आप में हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह साबित कर दिया है कि देश अपने हितों की रक्षा करते हुए दुनिया के साथ बराबरी के आधार पर संवाद करने की क्षमता रखता है।

अहमदाबाद नगर निगम के 192 पार्षदों का कार्यकाल खत्म, भावनात्मक माहौल में हुई अंतिम बैठक

9 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे Ahmedabad Municipal Corporation (एएमसी) के 192 पार्षदों का कार्यकाल आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इसके साथ ही वर्तमान नगर परिषद का कार्यकाल पूरा हो गया और नगर निगम की आम बैठक का यह सत्र अंतिम सत्र के रूप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिषद के सभी सदस्यों के बीच भावनात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला।

अंतिम बैठक के दौरान पार्षदों ने एक-दूसरे के साथ अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए। कई पार्षदों ने नगर विकास से जुड़े मुद्दों, योजनाओं और अपने-अपने वार्ड में किए गए कार्यों को याद किया। बैठक के दौरान सभी पार्षदों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं और पूरे कार्यकाल में मिले सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद भी व्यक्त किया।

इस मौके पर कई पार्षदों ने कहा कि पिछले वर्षों में नगर निगम के माध्यम से शहर के विकास के लिए मिलकर काम किया गया और विभिन्न चुनौतियों के बावजूद शहर के हित में निर्णय लिए गए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में भी शहर के विकास की गति इसी प्रकार जारी रहेगी। बैठक के अंत में पार्षदों ने आगामी नगर निगम चुनावों के लिए एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं। कई सदस्यों ने उम्मीद जताई कि वे फिर से जनता का विश्वास जीतकर परिषद में वापस आएंगे और शहर की सेवा का अवसर प्राप्त करेंगे।

आम बैठक समाप्त होने के बाद माहौल काफी हल्का और उत्साहपूर्ण हो गया। सभी पार्षदों ने खुशी-खुशी एक-दूसरे के साथ समूह तस्वीरें खिंचवाईं। कई पार्षदों ने अपने साथियों के साथ व्यक्तिगत तस्वीरें भी लीं और कार्यकाल की यादों को संजोया। इस तरह भावनात्मक विदाई और आपसी शुभकामनाओं के साथ अहमदाबाद नगर निगम की मौजूदा परिषद का कार्यकाल समाप्त हो गया। अब शहर में आगामी नगर निगम चुनावों की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, जिसके बाद नई परिषद का गठन होगा और शहर के प्रशासन की जिम्मेदारी नए पार्षदों के हाथों में जाएगी।

शेंडगांव में संत गाडगेबाबा स्मारक का भूमिपूजन समारोह उत्साह के साथ संपन्न

शहर संवाददाता/ अमोल सूर्यवंशी

अमरावती- जिले के अंजनगांव सुर्जी तहसील के शेंडगांव में संत गाडगेबाबा की स्मृति में प्रस्तावित स्मारक के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। 8 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे आयोजित भूमिपूजन

समारोह श्रद्धा और उत्साह के माहौल में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रस्तावित स्मारक स्थल पर, श्रीधरभाऊ नाईक के खेत में आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन प्रख्यात कीर्तनकार ह.भ.प. संजय महाराज पाचपोर के शुभहस्तों से किया गया। कार्यक्रम में जनार्दन दादा बोते गुरुजी, ह.भ.प. वासुदेव महाराज और अविनाश महाराज वानखडे की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और मान्यवर भी उपस्थित रहे। इनमें महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और अमरावती के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे, पूर्व सांसद आनंदराव अडसूळ, सांसद नवनीत राणा, अमरावती के सांसद बळवंत वानखडे, विधायक प्रवीण पोटे, बडनेरा के विधायक रवी राणा तथा बाळापूर के विधायक नितीन देशमुख सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारियों में अमरावती के जिलाधिकारी आशीष येरेकर, अपर पुलिस अधीक्षक पंकज कुमावत और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

संत गाडगेबाबा स्मारक समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में बनने वाले इस स्मारक के लिए स्थानीय नागरिकों का सहयोग और संजय महाराज पाचपोर की प्रेरणा महत्वपूर्ण रही है। स्मारक निर्माण के लिए श्रीधर नाईक ने अपनी लगभग 5 एकड़ जमीन देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने चरणबद्ध तरीके से 55 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का भी संकल्प लिया है। वहीं उनके मित्र प्रदीप मलिये ने स्मारक निर्माण के लिए एक लाख ईंटें देने की घोषणा की है। इस परियोजना के तहत भविष्य में भव्य स्मारक के साथ-साथ गुरुकुल, गोशाला और वृद्धाश्रम बनाने की भी योजना तैयार की गई है। इस संबंध में आयोजित पत्रकार परिषद में सुनील खराटे, श्रीधर नाईक, प्रदीप मलिये, प्राध्यापक विनोद बिजवे, राजेंद्र गायगोले तथा ह.भ.प. ज्ञानेश्वर महाराज तिडके ने स्मारक निर्माण की जानकारी देते हुए बताया कि यह परियोजना संत गाडगेबाबा के विचारों और सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास होगी।

सरकार ने ट्रैफिक और प्रदूषण का हवाला देते हुए नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करना बंद कर दिया

मुंबई : सरकार ने बड़े शहरों में बढ़ते ट्रैफिक जाम और पर्यावरण की चिंताओं का हवाला देते हुए, राज्य भर में नए ऑटोरिक्शा परमिट जारी करने पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में चलने वाले ऑटोरिक्शा की संख्या पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ गई है, जिससे पहले से ही जाम वाली सड़कों पर और दबाव बढ़ गया है। आज तक के मुताबिक, ऑफिशियल डेटा से पता चलता है कि अब तक पूरे महाराष्ट्र में लगभग 1.4 मिलियन ऑटोरिक्शा परमिट जारी किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि ऑटोरिक्शा की बढ़ती संख्या ने मुंबई, पुणे और नागपुर समेत कई शहरी इलाकों में ट्रैफिक की हालत और खराब कर दी है। सड़कों पर ज़्यादा गाड़ियों के होने से, कई इलाकों में ट्रैफिक धीमा हो गया है, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया है।

जाम की वजह से फ्यूल की खपत भी ज़्यादा हुई है क्योंकि गाड़ियां ज़्यादा देर तक ट्रैफिक में फंसी रहती हैं। अधिकारियों का मानना है कि इससे शहरों के घनी आबादी वाले हिस्सों में एयर पॉल्यूशन का लेवल और बढ़ गया है। सरकार ने कहा कि नए परमिट पर रोक लगाने का फैसला सड़क ट्रैफिक को मैनेज करने और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव कम करने की एक बड़ी कोशिश

का हिस्सा है। ड्राइवरों ने इनकम को लेकर चिंता जताई मौजूदा ऑटोरिक्शा परमिट होल्डर्स ने भी सिस्टम में आने वाली गाड़ियों की बढ़ती संख्या को लेकर राज्य सरकार से चिंता जताई है। ड्राइवरों ने कहा है कि बढ़ते कॉम्पिटिशन की वजह से वे हर दिन जितने पैसेंजर ले सकते हैं, उनकी संख्या कम हो गई है।

कई ड्राइवरों ने शिकायत की है कि एक ही रूट पर चलने वाले ऑटोरिक्शा की बढ़ती संख्या की वजह से उनकी रोज़ की कमाई पर असर पड़ा है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने नए परमिट जारी करने पर रोक लगाने का फैसला लेने से पहले इन चिंताओं पर विचार किया। परमिट में गड़बड़ियों की जांच राज्य सरकार ने यह भी बताया कि परमिट बांटने के प्रोसेस की जांच में कुछ मामलों में गड़बड़ियां सामने आई हैं।

आराधना मॉल में चोरी करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा, 1.20 लाख का माल जब्त

अमरावती। नांदगांव पेठ थाना क्षेत्र में नागपुर रोड स्थित बिजीलैंड मार्केट के आराधना फैशन मॉल में हुई चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का माल और वारदात में इस्तेमाल की गई दुपहिया वाहन समेत करीब 1 लाख 20 हजार रुपए का सामान जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता टिकमचंद शिवाजी निमकरोडीवाल (58) ने नांदगांव पेठ थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी की रात करीब 10 बजे वे बिजीलैंड मार्केट स्थित अपने आराधना फैशन मॉल को बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन 28 फरवरी को जब वे दुकान पर पहुंचे तो दुकान के भीतर का सामान अस्तव्यस्त पड़ा था और दोनों काउंटर के ताले टूटे हुए थे। काउंटर में रखे करीब 42 हजार रुपए चोरी हो चुके थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें मिले सुराग के आधार पर शेंदोला धसकट निवासी विशाल उर्फ यश यादव डोंगरे (22) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने आराधना फैशन मॉल में चोरी करने की बात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का माल और घटना में इस्तेमाल की गई दुपहिया वाहन जब्त कर ली। पूछताछ के दौरान आरोपी ने एक और चोरी की घटना को अंजाम देने की भी कबूली दी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त राकेश ओला, उपायुक्त गणेश शिंदे और सहायक आयुक्त कैलाश पुंडकर के मार्गदर्शन में नांदगांव पेठ थानेदार दिनेश दहातोंडे के नेतृत्व में पीएसआई गणेश राउत, राजा राउत, राजिक खान, निलेश साविकार, शोएबुद्दीन सैयद, वैभव तिखिले, अमित ढोले और वैभव धुरंधर के दल ने की।

'गंदगी पर बौखलाए पालकमंत्री बावनकुले; लापरवाही पर सीधे निलंबन के संकेत'

सफाई ठेकेदारों और मनपा प्रशासन को भी चेतावनी; शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए कार्रवाई का 'फ्री हैंड'

अमरावती। शहर में बढ़ती कचरे और गंदगी की समस्या पर राज्य के राजस्व मंत्री तथा जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ-सफाई में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई के संकेत देते हुए कहा कि अब कामचोरी करने वाले सफाई कर्मियों को सीधे निलंबित किया जाएगा, वहीं सफाई ठेकेदारों और मनपा प्रशासन पर भी कार्रवाई की गाज गिर सकती है। 7 मार्च को एक दिवसीय दौरे पर अमरावती पहुंचे मंत्री बावनकुले ने विश्व महिला दिवस के अवसर पर संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था पर तीखी नाराजगी जाहिर की। शहर में जगह-जगह फैले कचरे और गंदगी की स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'क्या हम किसी महामारी के फैलने का इंतजार कर रहे हैं? क्या लोगों के बीमार पड़ने या मरने के बाद ही व्यवस्था जागेगी?' मंत्री बावनकुले ने मनपा प्रशासन से पूछा कि जब साफ-सफाई पर हर साल बड़ी राशि खर्च की जा रही है, तो इसके बावजूद शहर की सड़कों और मोहल्लों में कचरे के ढेर क्यों दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि सफाई व्यवस्था में ढिलाई बरती जा रही है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होना ही चाहिए। इस दौरान उन्होंने मनपा प्रशासन को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का 'फ्री हैंड' दिया जाता है। जो भी अधिकारी या कर्मचारी काम में लापरवाही करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और सरकार प्रशासन के हर फैसले के साथ खड़ी रहेगी। मंत्री बावनकुले ने यह भी स्पष्ट किया कि शहर की सफाई की जिम्मेदारी केवल मनपा प्रशासन की नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने विधायक संजय खोडके और विधायक रवि राणा से शहर के सभी जनप्रतिनिधियों को एकजुट कर सफाई अभियान चलाने की अपील की। साथ ही उन्होंने मनपा के स्थायी सफाई कर्मियों के कामकाज पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई सफाई कर्मचारी आठ घंटे की शिफ्ट के बजाय केवल डेढ़-दो घंटे काम कर मनमानी कर रहे हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। ऐसी लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारियों को तत्काल सेवा से हटाने की कार्रवाई की जानी चाहिए। पालकमंत्री के इस सख्त रुख से मनपा प्रशासन और संबंधित विभागों में हलचल मच गई है। अब देखना यह होगा कि शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए मनपा स्तर पर किस तरह की ठोस कार्रवाई की जाती है।

अकोला में दो समुदाय आमने-सामने, पथराव में कई घायल

टी-20 जीत के जश्न के दौरान हरिहरपेठ में भड़का विवाद; वाहनों में तोड़फोड़, भारी पुलिस बंदोबस्त

अकोला। शहर के पुराने इलाके हरिहरपेठ में रविवार रात दो समुदायों के बीच अचानक तनाव भड़क गया और देखते ही देखते मामला पथराव तक पहुंच गया। इस घटना में कई लोग घायल हो गए, वहीं दो चारपहिया वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार यह घटना हरिहरपेठ स्थित सोनटक्के प्लॉट और गाडगेनगर इलाके में हुई। भारत की टी-20 विश्वकप में जीत के बाद स्थानीय युवक जश्न मनाने के लिए घरों से बाहर निकल आए थे और सड़कों पर पटाखे फोड़े जा रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कुछ ही देर में दोनों ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पथराव में दो-तीन नागरिकों के साथ कुछ पुलिसकर्मी भी हल्के रूप से घायल हुए हैं। घायल युवक सारंग गीते को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पथराव के दौरान दो चारपहिया वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया। फिलहाल क्षेत्र में भारी पुलिस बंदोबस्त लगाया गया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनकी पुलिस जांच कर रही है। अकोला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बी. चंद्रकांत रेड्डी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संदिग्धों की तलाश के लिए पुलिस जल्द ही विशेष अभियान भी चलाएगी। इस घटना से शहर में कुछ समय के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई थीं।

मुंबई-पुणे हाइवे पर तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहे हैं?

लोनावला और मावल में लगाए गए हाइटिक 'लेज़र स्पीड कैमरे'

मुन्ना मुजावर

पुणे : मुंबई-पुणे राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के लिए पुणे ग्रामीण पुलिस ने वडगांव मावल और लोनावला इलाके में अत्याधुनिक लेज़र स्पीड कैमरे लगाए हैं। इन कैमरों की मदद से तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीपसिंग गिल ने बताया कि, 'हाईवे पर होने वाले अधिकतर सड़क हादसे तेज रफ्तार और चालक की गलतियों के कारण होते हैं। ऐसे में लापरवाह वाहन चालकों पर कार्रवाई करने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने लेज़र स्पीड कैमरों का उपयोग शुरू किया है।'

पुराने मुंबई-पुणे हाईवे पर लोनावला और वडगांव मावल क्षेत्र में इन कैमरों को लगाया गया है। इस परियोजना में ब्लूमबर्ग फिलान्थ्रॉपीज़ इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल रोड सेफ्टी और ग्लोबल रोड सेफ्टी पार्टनरशिप का सहयोग भी लिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, लोनावला और वडगांव मावल में तीन अलग-अलग स्थानों पर ये कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे दिन और रात दोनों समय काम करते हैं और वाहनों की सटीक गति दर्ज कर सकते हैं। इन उपकरणों में 320 किलोमीटर प्रति घंटा तक की गति रिकॉर्ड करने की क्षमता है।

दुर्घटनाओं में पैदल यात्री और दोपहिया सवारों की ज्यादा मौत

पुणे जिले में गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक है। इनमें पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों की मौत के मामले ज्यादा सामने आते हैं। इसलिए तेज रफ्तार कार और ट्रक चालकों पर कार्रवाई के लिए इस तरह के कैमरे काफी उपयोगी साबित होंगे।

फिलहाल वडगांव मावल और लोनावला में इन कैमरों को प्रायोगिक आधार पर लगाया गया है। ये कैमरे न केवल तेज रफ्तार वाहनों की फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं, बल्कि बिना हेलमेट दोपहिया चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने जैसे नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करने में मदद करेंगे।

मकोका केस में बड़ी कार्रवाई: फरार चल रहे दो आरोपी दबोचे, खंडणी और अवैध हथियार का आरोप

मुन्ना मुजावर

महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (एमसीओसीए) के तहत फरार दो आरोपियों को पुणे अपराध शाखा की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। यह अभियान औंध और अकुर्डी क्षेत्रों में चलाया गया।गिरफ्तार आरोपियों के नाम संतोष सुरेश भलेराव (उम्र 21, निवासी पाषाण) और आकाश उर्फ अक्की संतोष देवकर (उम्र 20, निवासी मोशी, पिंपरी चिंचवड) हैं।

क्राइम ब्रांच यूनिट 4 की टीम गश्त कर रही थी तभी सूचना मिली कि भलेराव अकुर्डी के खंडोबाचा मल इलाके में आ रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

बाद में, टीम को सूचना मिली कि एमसीओसीए अभियान के बाद फरार हुआ आरोपी देवकर औंध के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर चौक पर आ रहा है। पुलिस ने दोबारा जाल बिछाया और उसे भी पकड़ लिया। आरोपी भलेराव और देवकर के खिलाफ जबरन वसूली और अवैध रूप से हथियार रखने का मामला दर्ज किया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्र मुलिक के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कंचन जाधव, पुलिस कांस्टेबल प्रवीण राजपूत, अजय गायकवाड़, प्रवीण भालचिम, सुभाष अव्हाड, विठ्ठल अव्हाल और विशाल इथापे की टीम ने इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

पुणे में 'सस्ते सोने' का लालच पड़ा भारी, महिला से 1.25 करोड़ की चौंकाने वाली ठगी

मुन्ना मुजावर

पुणेः एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसमें 61 वर्षीय महिला को निवेश के नाम पर सस्ते सोने का लालच देकर 13.4 करोड़ रुपये की ठगी की गई। भारती विद्यापीठ पुलिस ने इस मामले में एक दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। जिन दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, वे हेमंत दत्तात्रेय खरोटे (उम्र 45) और रूपाली हेमंत खरोटे (उम्र 38, निवासी कटराज-कोंढवा रोड) हैं। शिकायतकर्ता महिला और आरोपी एक-दूसरे को जानते थे। दो साल पहले, आरोपी ने महिला और उसके पति को यह कहकर निवेश करने के लिए राजी किया था, 'सोने की कीमतें फिलहाल कम हैं, जल्द ही बढ़ेंगी। आपको अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न मिलेगा।' आरोपियों ने महिला के मोबाइल पर सोने के गहनों और बिस्कुट की तस्वीरें भेजकर उसका विश्वास जीता। इसके बाद उन्होंने बार-बार उससे 1 करोड़ 49 लाख 95 हजार रुपये की उगाही की। शुरुआत में उन्होंने उसे कुछ सोना देकर और पैसे वापस करके उसका भरोसा जीता, लेकिन बाद में उन्होंने शेष राशि और सोने के बिस्कुट देने से इनकार कर दिया। ठगी का एहसास होने पर बुजुर्ग महिला ने पुलिस से संपर्क किया। दंपति पर कुल 1.34 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। भारती विद्यापीठ पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर किसी भी वित्तीय निवेश योजना में फंसने से पहले योजना और व्यक्ति की पूरी तरह से जांच-पड़ताल करने के महत्व को उजागर किया है। साइबर और आर्थिक अपराध शाखा नागरिकों से ऐसे मामलों में सतर्क रहने की अपील कर रही है।

चाकण में फर्जी मेल आईडी बनाकर किया बड़ा घोटाला, कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर दिया वारदात को अंजाम

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति ने दो कंपनियों के बीच आधिकारिक लेन-देन में हस्तक्षेप करके एक ऑनलाइन ग्राहक से 8 लाख 81 हजार 942 रुपये की धोखाधड़ी की है। साइबर चोरों ने कंपनी की आधिकारिक ईमेल आईडी से हूबहू मिलती-जुलती एक फर्जी ईमेल आईडी बनाकर ऐसा किया है। इस संबंध में चाकन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

वास्तव में क्या हुआ?

चाकन क्षेत्र में स्थित 'एस. के. एस. फास्टनर्स लिमिटेड' नामक कंपनी का चीन की एक कंपनी के साथ व्यापारिक संबंध था। 18 नवंबर, 2024 से 18 अप्रैल, 2025 के बीच जब यह ऑनलाइन लेनदेन चल रहा था, तब एक साइबर चोर ने असली कंपनी की ईमेल आईडी से मिलती-जुलती एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई। इस फर्जी ईमेल का इस्तेमाल करके उसने दोनों कंपनियों के बीच संचार में बाधा डाली और भरोसे में लेकर 8 लाख 81 हजार रुपये की रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर दी।

बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा

लेन-देन के दौरान कुछ तकनीकी दिक्कतें आने पर कंपनी प्रबंधन को संदेह हुआ। जाँच करने पर पता चला कि उनके आधिकारिक ईमेल का दुरुपयोग धोखाधड़ी करने के लिए किया गया था। इससे कंपनी के अधिकारियों में हलचल मच गई है। शुक्रवार (6 मार्च) को चाकन पुलिस ने कंपनी के एक प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हाल ही में ईमेल हैकिंग और फर्जी आईडी के जरिए धोखाधड़ी में हुई बढ़ोतरी ने व्यापारिक लेन-देन में अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता को उजागर किया है। पुलिस अब इन फर्जी ईमेल आईडी के 'आईपी पते' का पता लगा रही है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

मौत के बाद भी 'वेटिंग'!

युद्ध के असर से पुणे के श्मशान घाट प्रभावित, शहर की 18 गैस दाहिनियां बंद

मुन्ना मुजावर

पुणेः अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे वैश्विक युद्ध का सीधा असर अब पुणेवासियों के जीवन पर दिखने लगा है। ईंधन की बढ़ती कमी के चलते पुणे नगर निगम ने एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए शहर के 18 गैस बर्नर अगले आदेश तक बंद कर दिए हैं। इस फैसले के चलते अब पुणेवासियों को अपने प्रियजनों की मृत्यु के बाद उनके अंतिम संस्कार के लिए भी घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। शहर में व्यावसायिक गैस आपूर्ति पर फिलहाल कड़ी पाबंदियां लगी हुई हैं। व्यावसायिक गैस की कमी के चलते नगर निगम ने वैकुंठ श्मशान घाट, विश्रांतवाड़ी, कोरेगांव पार्क, औंध, कटराज और हडपसर समेत विभिन्न स्थानों पर लगे कुल 18 गैस बर्नरों का इस्तेमाल बंद कर दिया है। ये बर्नर व्यावसायिक गैस से चलते हैं, लेकिन सरकार के नए आदेशों के कारण गैस आपूर्ति बाधित हो गई है। संकट के इस दौर में, नगर निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में पारंपरिक लकड़ी की चिताओं के उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, इससे कुछ स्थानों पर दाह संस्कार के लिए लंबी कतारें लग गई हैं और लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है। प्रशासन का कहना है कि वह नागरिकों को असुविधा से बचाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन मौजूदा स्थिति पुणेवासियों की पीड़ा को और बढ़ा रही है। नगर निगम के विद्युत विभाग की प्रमुख मनीषा शेकटकर ने कहा, 'गैस आपूर्ति बहाल होने के बाद ही ये श्मशान घाट दोबारा खोले जाएंगे। हम आपूर्तिकर्ता कंपनियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।' फिलहाल, पुणे निवासियों को अंतिम संस्कार के लिए पारंपरिक तरीकों पर ही निर्भर रहना होगा।

FC रोड पर विजय का जश्न बना यादगार, T20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद स्टार क्रिकेटर की अचानक एंट्री से मचा उत्साह

मुन्ना मुजावर

पुणेः भारतीय क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद पुणे के साथ-साथ पूरे देश में खुशी का माहौल है। रविवार रात को हजारों पुणेवासी पुणे के व्यस्त फर्ग्यूसन कॉलेज रोड पर जीत का जश्न मनाने के लिए जमा हुए थे। तिरंगा लहराते और नारे लगाते हुए, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार क्रिकेटर केदार जाधव अचानक भीड़ में शामिल हो गए और प्रशंसकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया।

प्रशंसकों की तूफानी भीड़

केदार जाधव अपनी नीली बीएमडब्ल्यू जेड4 कार से एफसी रोड पर जीत का जश्न मनाने आए थे। उन्हें देखते ही प्रशंसक उनकी कार के चारों ओर जमा हो गए। कई युवक उनकी कार के बोनट और दरवाजों पर चढ़कर तस्वीरें और सेल्फी लेते नजर आए। केदार ने भी प्रशंसकों के प्यार को खुले दिल से स्वीकार किया और कार में बैठे-बैठे उनके साथ जीत का जश्न मनाया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए केदार जाधव ने कहा, 'भारतीय टीम की यह जीत बहुत बड़ी है। जब मैं क्रिकेट खेलता था, तो मैं ऐसे जश्न बाहर से देखता था, लेकिन आज मैं खुद सड़कों पर उतरकर सभी पुणेवासियों और भारतीयों के साथ इस जीत का अनुभव करना चाहता था, इसीलिए मैं आज यहां आया हूं।'

पुणे के निवासी केदार जाधव को इस हालत में सड़क पर देखकर दंग रह गए। प्रशंसकों की भीड़ के कारण इलाके में कुछ देर के लिए यातायात जाम हो गया, लेकिन पुलिस की मदद से केदार की कार को भीड़ से निकाला गया। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

जेजुरी में 21 साल के युवक की मौत, पिता ने लिया ऐसा फैसला कि डॉक्टरों की भी भर आई आंखें

मुन्ना मुजावर

पुणेः असमय एक नन्हे बच्चे को खोने का दुख यह बेहद दुखद है, लेकिन एक पिता द्वारा दिखाई गई मानवता, जिसने दुख के इस पहाड़ को पार कर लिया है, पूरे महाराष्ट्र के लिए प्रेरणा बन गई है। बीड के रक्षसभुवन निवासी 21 वर्षीय संग्राम रमेश गाडे की पुणे में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद, उनके पिता के अंगदान करने के निर्णय से अब पांच जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलेगा।

कैसे घटी घटना?

संग्राम गाडे 5 मार्च को पुणे जिले के जेजुरी में एक भीषण दुर्घटना का शिकार हो गए। सिर में गंभीर चोटें आने के कारण उन्हें पुणे के सह्याद्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। तमाम कोशिशों के बाद डॉक्टरों ने संग्राम को 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया। गाडे परिवार सदमे में था, लेकिन ऐसी स्थिति में भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और एक साहसिक फैसला लिया।

एक पिता के दिल को छू लेने वाले शब्द; जब डॉक्टर ने माता-पिता से अंगदान के बारे में पूछा, तो पिता रमेश गाडे ने अपने आंसू पोंछे और ऐसा जवाब दिया जिससे सभी लोग अचंभित रह गए। उन्होंने कहा, 'मेरे बेटे की सिर्फ आंखें ही नहीं, बल्कि उसका पूरा शरीर दान कर दीजिए।

लग्ज़री स्पा सेंटर में दिखा चौंकाने वाला दृश्य, सूचना मिलते ही मौके पर दौड़ी पुलिस

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे के पॉश एनआईबीएम कोंढवा इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने इस इलाके के एक आलीशान स्पा सेंटर पर छापा मारकर एक बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 'ओपल स्पा एंड सैलून' नाम से चल रहे इस अनैतिक धंधे से चार महिलाओं को बचाया है और स्पा मैनेजर को गिरफ्तार किया है।

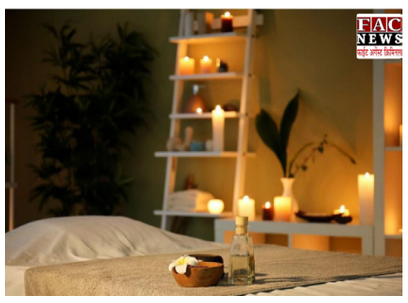

एक फर्जी ग्राहक के जाल में फंस गया

पुणे पुलिस की क्राइम ब्रांच की अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ को सूचना मिली थी कि एनआईबीएम रोड स्थित 'सनश्री वुड्स कमर्शियल प्रेमिसेस' बिल्डिंग में एक स्पा के पीछे वेश्यावृत्ति चल रही है। पुलिस ने शनिवार को सूचना की पुष्टि के लिए एक फर्जी ग्राहक भेजा। लेन-देन की पुष्टि होते ही पुलिस ने छापा मारा और इस चौंकाने वाली घटना का खुलासा हुआ।

नागालैंड के मुख्यमंत्री गिरफ्तार

इस अभियान में पुलिस ने स्पा मैनेजर टी. झुनचुम्बानी थामफियोलोथा खितान (उम्र 32, मूल रूप से नागालैंड निवासी, वर्तमान में कोंढवा में रह रहे) को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस रैकेट के एक अन्य मुख्य आरोपी की तलाश कर रही है। वहीं चार महिलाओं को बचाया गया है। इस संबंध में कोंढवा पुलिस स्टेशन में अनैतिक तस्करी रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पुणे के संभ्रांत इलाकों में स्पा और मसाज सेंटरों के नाम पर चल रही ऐसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है।

पुणे-नाशिक हाईवे पर राहत कब? 7 हजार करोड़ की सड़क परियोजना अटकी, एक साल बाद भी नहीं शुरू हुआ काम

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे-नासिक राजमार्ग पर यातायात जाम की समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। नासिक फाटा से राजगुरुनगर तक फैले 28 किलोमीटर के इस मार्ग पर हर सुबह और शाम वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं। चाहे भोसारी एमआईडीसी हो या मोशी और चाकन के औद्योगिक क्षेत्र, पूरा मार्ग यातायात जाम की चपेट में है। इसके चलते आम पुणेवासियों का जीवन दयनीय हो गया है।

इस दुविधा से निपटने के लिए प्रशासन ने सड़क चौड़ीकरण, सर्विस रोड और एलिवेटेड रोड बनाने की योजना बनाई है। पिंपरी-चिंचवड नगर निगम ने चार साल पहले सड़क चौड़ीकरण में बाधा डालने वाले निर्माणों को हटा दिया था, लेकिन वास्तविक कार्य के लिए अभी तक मुहूर्त नहीं निकला है। ऐसा लगता है कि लगभग 7,808 करोड़ रुपये की यह परियोजना अब केवल कागजों पर ही अटकी हुई है।

कुंभ मेले के समारोह के दौरान क्या होगा?

अगले वर्ष नासिक में कुंभ मेला लगेगा। इस दौरान राजमार्ग पर वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। चूंकि एलिवेटेड रूट का निर्माण एक वर्ष में पूरा नहीं हो सकता, इसलिए कम से कम सर्विस रोड का विकास तत्काल आवश्यक है। यदि प्रशासन ने अभी कदम नहीं उठाए, तो आने वाले समय में यात्रियों को और अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान में राजगुरुनगर में 93 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य को 25 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य है। हालांकि इस परियोजना से नासिक फाटा से राजगुरुनगर तक की दूरी घटकर कुछ ही मिनटों की रह जाएगी, लेकिन इस राजमार्ग के कब तक पूरा होने का जवाब अभी भी अनिश्चित है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)